बिहार में साइबर ठगी का खुलासा: 38 जिलों में 1.09 लाख म्यूल बैंक खाते, 72.53 करोड़ की हेराफेरी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

बिहार पुलिस की साइबर यूनिट ने साइबर अपराध में संदिग्ध **1,09,475 म्यूल बैंक खातों** की पहचान की है - ये खाते राज्य के सभी 38 जिलों में फैले हैं और इनमें कुल **72.53 करोड़ रुपये** जमा हैं। साइबर अपराध और सुरक्षा इकाई के IG रंजीत कुमार मिश्रा के अनुसार इन खातों पर जल्द **'साइबर प्रहार 5.0'** अभियान के तहत कार्रवाई होगी।

म्यूल खाता क्या है

म्यूल खाता (mule account) वह बैंक खाता है जिसका इस्तेमाल ठगी या अपराध से आया पैसा रखने, भेजने या निकालने के लिए किया जाता है - कई बार खाताधारक कमीशन के बदले अपना खाता दे देता है या उसकी जानकारी के बिना खाता खुल जाता है। ये खाते साइबर ठगी की कमाई को असली अपराधी तक पहुँचने से पहले कई परतों में घुमा देते हैं, जिससे पैसे का पता लगाना कठिन हो जाता है।

प्रमुख आंकड़े

- **जिलावार:** पटना में सबसे अधिक 14,644 म्यूल खाते; इसके बाद गया (6,172), मुजफ्फरपुर (4,244), भागलपुर (4,197), नालंदा (4,146), पश्चिम चंपारण (3,945), सीवान (3,859), वैशाली (3,441) और औरंगाबाद (3,326)।
- **सितंबर-अक्टूबर की कार्रवाई (साइबर प्रहार 4.0/4.1):** बिहार में 47,659 साइबर अपराध शिकायतें (राष्ट्रीय स्तर पर 5,69,160); बिहार में 121.26 करोड़ रुपये की साइबर ठगी दर्ज, जिसमें 36.94 करोड़ रुपये के खाते फ्रीज़ और 8.04 करोड़ रुपये पीड़ितों को लौटाए गए। राष्ट्रीय स्तर पर 3,503 करोड़ रुपये की ठगी; 993 करोड़ फ्रीज़, 57 करोड़ लौटाए गए।
- **पिछले अभियान:** प्रहार 4.0 में 3,177 संदिग्ध खाते, 15 FIR, 7 गिरफ्तारी, 448 को नोटिस; प्रहार 4.1 में 1,226 खाते, 17 FIR, 12 गिरफ्तारी; 385 सिम कार्ड और 442 मोबाइल फोन ब्लॉक।

- **अन्य:** बिहार पुलिस को साइबर ठगी से जुड़े 11.40 लाख फोन कॉल मिले; पटना में एक और साइबर थाना खोला जाएगा।

परीक्षा की दृष्टि से महत्व

म्यूल खाते डिजिटल भुगतान-आधारित ठगी की कड़ी का सबसे कमजोर पहिया हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की I4C (भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र) व्यवस्था, नागरिक वित्तीय साइबर ठगी हेल्पलाइन 1930 और बैंकों की KYC/निगरानी व्यवस्था - तीनों इसी शृंखला के हिस्से हैं। ऐसे राज्य-स्तरीय अभियान GS-III (आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा) और अर्थव्यवस्था खंड दोनों से जुड़ते हैं।

> **संबंधित लेख:** RBI का डेटा-सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. बिहार पुलिस की म्यूल खाता कार्रवाई (नवंबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राज्य में एक लाख से अधिक संदिग्ध म्यूल खाते पहचाने गए

2. इन खातों में 72.53 करोड़ रुपये जमा हैं

3. कार्रवाई 'साइबर प्रहार 5.0' अभियान के तहत होगी

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▶ उत्तर और व्याख्या

प्रश्न 2. बिहार में म्यूल खातों की संख्या में कौन-सा जिला सबसे ऊपर है?

(a) गया

(b) मुजफ्फरपुर

(c) पटना

(d) भागलपुर

▶ उत्तर और व्याख्या

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

म्यूल बैंक खाते भारत में साइबर-वित्तीय ठगी के संचालन का मूल आधार बन गए हैं। समस्या की प्रकृति बताते हुए प्रभावी रोकथाम के लिए बैंकिंग, कानून-प्रवर्तन और जागरूकता के स्तर पर आवश्यक कदम सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए - 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

PCSMANTRA.COM

भूमिका में: बिहार में 1.09 लाख म्यूल खातों की पहचान और राष्ट्रीय स्तर पर सितंबर-अक्टूबर में 3,503 करोड़ रुपये की ठगी के आंकड़े समस्या के विस्तार को दर्शाते हैं।

मुख्य भाग में:

- **प्रकृति:** किराए/जब्त खातों से धन की परतदार आवाजाही; कमीशन पर खाता देना भी दंडनीय सहयोग।
- **बैंकिंग स्तर:** KYC की मजबूती, संदिग्ध लेनदेन की रीयल-टाइम निगरानी, तेज फ्रीजिंग तंत्र।
- **कानून-प्रवर्तन:** राज्य साइबर यूनिटों और I4C का समन्वय, हेल्पलाइन 1930, अभियान-आधारित कार्रवाई।
- **जागरूकता:** खाता/सिम साझा न करने की शिक्षा, POS एजेंटों पर निगरानी।

निष्कर्ष में: तकनीकी निगरानी, कानूनी दंड और नागरिक जागरूकता के संयोजन से ही म्यूल-खाता अर्थव्यवस्था तोड़ी जा सकती है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: बिहार पुलिस ने 38 जिलों में 1,09,475 संदिग्ध म्यूल बैंक खाते (72.53 करोड़ रुपये जमा) पहचाने हैं; साइबर प्रहार 5.0 के तहत कार्रवाई होगी।

प्रश्न: म्यूल बैंक खाता क्या होता है?

वह खाता जिसका उपयोग ठगी या अपराध की कमाई को रखने, भेजने या निकालने के लिए होता है - इससे असली अपराधी तक पैसे का पता छिपता है।

प्रश्न: बिहार में म्यूल खातों पर किस अभियान के तहत कार्रवाई होगी?

'साइबर प्रहार 5.0' अभियान के तहत। इससे पहले प्रहार 4.0 और 4.1 में हजारों संदिग्ध खाते पहचाने गए, FIR दर्ज हुईं और गिरफ्तारियाँ हुईं।

प्रश्न: साइबर ठगी के पैसे पर क्या कार्रवाई हुई?

सितंबर-अक्टूबर में बिहार में 121.26 करोड़ रुपये की ठगी दर्ज हुई, जिसमें 36.94 करोड़ रुपये के खाते फ्रीज़ किए गए और 8.04 करोड़ रुपये पीड़ितों को लौटाए गए।

स्रोत

- The Hindu: बिहार पुलिस ने 38 जिलों में एक लाख से अधिक म्यूल खाते पहचाने, 14 नवंबर 2026

PCSMANTRA.COM